WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

बुधवार 23 नवंबर 2022 | अंक - 309

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

ब्लॉक स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

वैज्ञानिकों ने कहा फसल अवशेष प्रबंधन आज की आवश्यकता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा आज विकासखंड मैथा के गांव फूलपुर में ब्लॉक स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डा.खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन को विशेष महत्व देना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन करने से ही मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अवशेषों से जो आवश्यक पोषक तत्व फसल को मिलते हैं। उन्हीं से रासायनिक उर्वरकों की खपत में कमी लाई जा सकती है। जिससे किसान की खेती में

>> फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सिंह ने किसानों को कृषि उपकरणों के बारे में जागरूक किया

लागत कम करने के साथ-साथ स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए उच्च गुणवत्ता की फसल पैदा की जा सकती है। डॉक्टर खान ने रासायनिक खादों से भूमि पर भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रभाव के बारे में और उत्पादन को बढ़ाने और घटाने वाले भूमि घटकों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही मृदा जांच के लिए नमूने तैयार करने व उसकी जांच के आधार पर उर्वरक डालने के बारे में भी जानकारी दी। फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों को कृषि उपकरणों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए जो मशीनें तैयार की गई हैं। उनमें स्ट्रा चॉपर,हैप्पी सीडर,मलचर, सुपर सीडर आदि शामिल हैं। जिनकी सहायता से फसल अवशेषों का प्रबंधन कर सुगमता से अगली फसल की बिजाई की जा सकती है। डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि फसल अवशेषों को व्यर्थ में जलाने के बजाय उससे कंपोस्ट तैयार करें या खेत में मिलाने से फसल उत्पादन में वृद्धि करें।

फसल अवशेष प्रबंधन आज की आवश्यकता

कानपुर, 23 नवम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा आज विकासखंड मैथा के गांव फूलपुर में ब्लॉक स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन को विशेष महत्व देना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष प्रबंधन करने से ही मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अवशेषों से जो आवश्यक पोषक तत्व फसल को मिलते हैं उन्हीं से रासायनिक उर्वरकों की खपत में कमी लाई जा सकती है। जिससे किसान की खेती में लागत कम करने के साथ-साथ स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए उज्च गुणवत्ता की फसल पैदा की जा सकती है। डॉक्टर खान ने रासायनिक खादों से भूमि पर भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रभाव के बारे में और उत्पादन को बढ़ाने और घटाने वाले भूमि घटकों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही मृदा जांच के लिए नमूने तैयार करने व उसकी जांच के आधार पर पूर्वक डालने के बारे में भी जानकारी दी।फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों को कृषि उपकरणों के बारे में जागरूक किया।

हिंदुस्तान कानपुर 24/11/2022

शहर 30s

सीएसए का दीक्षांत पांच जनवरी को

कानपुर। सीएसए विश्वविद्यालय पांच जनवरी 2023 को दीक्षांत समारोह मनाएगा। आयोजनों की तैयारियों के लिए 15 अलग-अलग कमेटियां बनाई गई हैं। हर कमेटी में तीन से पांच सदस्यों को रखा गया है। इस बार दीक्षांत समारोह चार दिन तक चलेगा। अध्यक्षता राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। अभी मुख्य अतिथि का नाम तय नहीं हैं। कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने बताया कि समिति के सदस्यों से समय-समय पर तैयारियों की प्रगति के बारे में पूछा जा रहा है।

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

सीएसए के डॉक्टर महक सिंह को मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड 2022

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डा. महक सिंह को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची झारखंड में हुई टिकाऊ खेती हेतु वैश्विक शोध पहल पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में लाइफस्टाइल अचीवमेंट अवार्ड 2022 से विभूषित किया गया है। यह अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची झारखंड में आयोजित की गई है। इस संगोष्ठी में विभिन्न भारत सहित अन्य देशों के विख्यात कृषि वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। तथा अपने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। डॉ सिंह ने इस संगोष्ठी में अपना शोध पत्र राई सरसों फसल बीज उत्पादन तकनीक पर प्रस्तुत किया। तथा उनके शोध पत्र की काफी प्रशंसा की गई। सीएसए के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने महक सिंह को मिले अवार्ड पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

सीएसए के डॉक्टर महक सिंह को मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड 2022

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ महक सिंह को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची झारखंड में हुई टिकाऊ खेती हेतु वैश्विक शोध पहल पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में लाइफस्टाइल अचीवमेंट अवार्ड 2022 से विभूषित किया गया है।यह अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची झारखंड में आयोजित की गई है।इस संगोष्ठी में विभिन्न भारत सहित अन्य देशों के विख्यात कृषि वैज्ञानिकों ने सहभागिता की।तथा अपने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।डॉ सिंह ने इस संगोष्ठी में अपना शोध पत्र राई सरसों फसल बीज उत्पादन तकनीक पर प्रस्तुत किया। तथा उनके शोध पत्र की काफी प्रशंसा की गई। सीएसए के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने महक सिंह को मिले अवार्ड पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

राष्ट्रीय
सहारा

सीएसए के डॉ. महक सिंह को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के निदेशक वीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. महक सिंह को

लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। डॉ.सिंह को यह सम्मान विरसा कृषि विवि रांची में टिकाऊ खेती हेतु वैश्विक शोध पहल पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर दिया गया। इस संगोष्ठी में भारत सहित विभिन्न देशों के प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिकों ने सहभागिता की व अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। डॉ.सिंह ने संगोष्ठी में 'राई सरसों फसल वीज उत्पादन तकनीक' पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। सीएसए कुलपति डॉ.डीआर सिंह ने उक्त अवार्ड के लिए डॉ.सिंह को वधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

सीएसए के डॉ. महक सिंह को मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड 2022

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ महक सिंह को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची झारखंड में हुई टिकाऊ खेती हेतु वैश्विक शोध पहल पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में लाइफस्टाइल अचीवमेंट अवार्ड 2022 से विभूषित किया गया है।यह अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची झारखंड में आयोजित की गई है।इस संगोष्ठी में विभिन्न भारत सहित अन्य देशों के विख्यात कृषि वैज्ञानिकों ने सहभागिता की।तथा अपने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।डॉ सिंह ने इस संगोष्ठी में अपना शोध पत्र राई सरसों फसल बीज उत्पादन तकनीक पर प्रस्तुत किया तथा उनके शोध पत्र की काफी प्रशंसा की गई। सीएसए के वीसी डा. डीआर सिंह ने महक सिंह को बधाई दी हैं।

अवार्ड दिखाते वैज्ञानिक डॉ महक सिंह ।

मौजूद रहे। (संवाद)

अमर उजाला कानपुर 24/11/2022

सीएसए के डॉ. महक सिंह को मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. महक सिंह को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची झारखंड में टिकाऊ खेती हेतु वैश्विक शोध पहल विषय पर हुई संगोष्ठी में लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड 2022 दिया गया है। डॉ. सिंह ने संगोष्ठी में राई-सरसों फसल बीज उत्पादन तकनीक पर शोधपत्र प्रस्तुत किया था। (संवाद)

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 44
मूल्य: ₹ 3.00/-
पेज : 12
गुरुवार | 24 नवम्बर, 2022
धरने को हुए 95 दिन

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

डॉ. महक को मिला लाइफस्टाइल अचीवमेंट अवार्ड 2022

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. महक सिंह को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची झारखंड में हुई टिकाऊ खेती के लिए लाइफस्टाइल अचीवमेंट अवार्ड 2022 दिया गया है। यह अवार्ड उन्हें बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची झारखंड में हुई वैश्विक शोध पहल पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिया गया है। इस संगोष्ठी में भारत सहित अन्य देशों के विख्यात कृषि वैज्ञानिकों ने सहभागिता कर अपने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। जिसमें डॉ. महक सिंह ने राई सरसों फसल बीज उत्पादन तकनीक पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। उनकी इस उपलब्धि पर सीएसए के कुलपति डॉ.डी.आर. सिंह ने डॉ.सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।